भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2101
01.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

पेट्रोकेमिकल्स उद्योगों में 'सिपेट' की महत्वपूर्ण भूमिका

2101. डॉ. विनोद कुमार बिंद:
श्री भरतसिहंजी शंकरजी डाभी:
श्री मनोज तिवारी:
डॉ. भोला सिंह:
श्री योगेन्द्र चांदोलिया:
श्री आलोक शर्मा:
श्री प्रवीण पटेल:
सुश्री बाँसुरी स्वराज:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय पेट्रोरसायन और प्लास्टिक उद्योगों को सहायता प्रदान करने में केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) की वर्तमान भूमिका और भावी रूपरेखा क्या है;

(ख) 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी प्रमुख सरकारी पहलों के अंतर्गत अपेक्षित कुशल कार्यबल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिपेट की अवसंरचना और प्रशिक्षण क्षमता क्या है;

(ग) क्या सरकार ने प्लास्टिक और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में कौशल केंद्रों और अनुसंधान एवं विकास की क्षेत्रीय मांग का आकलन किया है; और

(घ) यदि हाँ, तो वंचित क्षेत्रों में सिपेट की उपस्थिति और क्षमताओं का विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), भारत सरकार के रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है। यह संस्थान पेट्रोरसायन एवं प्लास्टिक उद्योग को क्षेत्र-विशिष्ट कौशल विकास, प्रौद्योगिकी सहायता सेवाएँ प्रदान करके तथा पेट्रोरसायन, प्लास्टिक एवं संबद्ध क्षेत्रों में डिप्लोमा एवं डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करके सहायता करता है। सिपेट के विशिष्ट अनुसंधान एवं विकास केंद्र भी हैं जो देश में पेट्रोरसायन एवं संबद्ध उद्योगों के विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों के लिए समर्पित हैं।

(ख) इस परिवर्तन को गति देने के लिए आवश्यक कुशल कार्यबल विकसित करने में सिपेट की महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्तमान में, सिपेट पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल्स जैसे विशिष्ट तकनीकी क्षेत्रों में विभिन्न कौशल विकास और कौशल उन्नयन कार्यक्रम संचालित करता है। पिछले कुछ वर्षों में, सिपेट ने अपने शैक्षणिक और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने की अपनी क्षमता में वृद्धि की है। पिछले 5 वर्षों का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

शैक्षणिक वर्ष	**प्रशिक्षण प्रदान किए गए छात्रों की कुल संख्या (शैक्षणिक और कौशल प्रशिक्षण)**
2020-21	33846
2021-22	38814
2022-23	59986
2023-24	65583
2024-25	74964

(ग) और (घ) नए सिपेट केंद्रों की स्थापना केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और सिपेट द्वारा पेट्रोरसायन क्षेत्र में कौशल एवं विकास, तकनीकी सहायता और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) की क्षेत्रीय मांग के आकलन पर निर्भर करती है। जहां तक राष्ट्रीय उपस्थिति का प्रश्न है, वर्तमान में सिपेट के देश भर में 48 कार्यात्मक केंद्र हैं जिनमें 9 पेट्रोकेमिकल्स तकनीकी संस्थान (आईपीटी), 32 कौशल एवं तकनीकी सहायता केंद्र (सीएसटीएस), 3 पेट्रोकेमिकल्स उन्नत अनुसंधान स्कूल (एसएआरपी) और 4 उप-केंद्र शामिल हैं। पिछले 10 वर्षों में 16 नए सिपेट केंद्र स्थापित किए गए हैं।

*****